<u>प्रेस विज्ञप्ति</u>

पावर फाइनेंस कॉर्पोरेशन द्वारा भारत की सबसे बडे दबावग्रस्त ट्रांसमिशन परिसंपत्ति का समाधान

पावर फाइनेंस कॉर्पोरेशन लिमिटेड ने दक्षिण-पूर्व उत्तर प्रदेश ट्रांसमिशन कंपनी लिमिटेड के पावर ट्रांसमिशन क्षेत्र में देश की सबसे बड़ी दबावग्रस्त परिसंपत्ति का सफलतापूर्वक समाधान किया है। इस परियोजना में लगभग 1500 किलोमीटर लंबी 765 केवी और 400 केवी ट्रांसमिशन लाइनें और उत्तर प्रदेश में 5 सब-स्टेशन शामिल हैं, जिससे उत्तर प्रदेश के उपभोक्ताओं को काफी लाभ होगा। पीएफसी इस परियोजना के लिए अग्रणी वित्तीय संस्था थी, जिसके साथ आरईसी और बैंक ऑफ इंडिया कंसोर्टियम में सह-ऋणदाता के रूप में शामिल थे। यह आईबीसी (2016) के तहत कॉर्पोरेट दिवालियापन समाधान प्रक्रिया (सीआईआरपी) के माध्यम से एक ऐतिहासिक समाधान है, जिसके परिणामस्वरूप उधारदाता मूल राशि के 100% से अधिक की वसूली कर रहे हैं।

यह परियोजना मूल रूप से 2011 में उत्तर प्रदेश पावर ट्रांसमिशन कंपनी लिमिटेड द्वारा बीओओटी आधार पर स्पेन की आईसोलक्स कॉर्सन कंसेशंस एसए को आबंटित की गई थी। आईबीसी (2016) के तहत सीआईआरपी तंत्र के माध्यम से, परियोजना का अधिग्रहण अब रिसर्जेंट पावर वेंचर्स प्राइवेट लिमिटेड द्वारा किया गया है, जो भारत के टाटा पावर और आईसीआईसीआई वेंचर्स द्वारा सह-प्रायोजित है, जिसमें अन्य प्रमुख शेयरधारक के रूप में प्रतिष्ठित सॉवरेन वेल्थ फंड हैं। इस लेन-देन में 3,251 करोड़ रुपए की एकमुश्त अपफ्रंट सेटलमेंट राशि शामिल है, साथ ही समाधान योजना के अनुरूप मौजूदा नकदी शेष के हिस्से का भुगतान भी किया गया है।

परियोजना को 16.09.2022 को अग्रिम भुगतान प्राप्त होने के बाद रिसर्जेंट पावर वेंचर्स प्रा. लि. को सौंप दिया गया। कार्यान्वयन दस्तावेजों पर श्री रविन्दर सिंह ढिल्लों, अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक (पीएफसी), श्रीमती परमिंदर चोपडा, श्री राजीव रंजन झा और श्री मनोज शर्मा, पीएफसी के निदेशकगण, श्री अजय चौधरी और श्री वी. के. सिंह, आरईसी के निदेशकगण तथा टाटा पावर एंड रिसर्जेंट पावर वेंचर्स के वरिष्ठ अधिकारियों की उपस्थिति में हस्ताक्षर किए गए। श्री शैलेश वर्मा ने समाधान पेशेवर/प्रबंध एजेंट के रूप में कार्य किया और संव्यवहार को सफलतापूर्वक पूरा करने में डेलॉयट इंडिया इन्साल्वन्सी प्रोफेशनल्स एलएलपी की सहायता प्राप्त हुई।

पीएफसी लगभग 7.58 लाख करोड़ की समेकित ऋण बही के साथ भारत का अग्रणी ऊर्जा क्षेत्र वित्तपोषण करने वाला है और कारोबार वृद्धि के लिए अन्य क्षेत्रों के साथ-साथ गैर-ऊर्जा क्षेत्र से संबंधित इन्फ्रास्ट्रक्चर परियोजनाओं सहित नवीकरणीय ऊर्जा, पुनर्वित्त, निजी संचरण परियोजनाओं जैसे क्षेत्रों पर ध्यान केंद्रित कर रहा है.